1. Inderjeet Dang
2. Dehradun - Uttarakhand, India
3. http://www.hdthdesigner.com
4. $50 or 2800 INR (with 3 revisions max)
5. 5 Years
6. Being a logo designer I focus on quality over quantity. For me customer satisfaction is the key to success

### About Me:

I am Inderjeet Dang (HD), a Graphic/Web Designer based in Dehradun, Uttarakhand. I am a handicap person and my whole body was paralyzed due to reaction of polio drops given to me during my infant stage. After years of treatment my upper body is 80% recovered but my lower body is still dead. I cannot stand or walk. I am on wheelchair from my Childhood. My parents always supported and encouraged me and after so much trouble in my life I didn't gave up and tried to learn new things on my own and developed my interest in Graphic/Web Designing and Blogging. All the skills & knowledge I have is Self-attained which I believe is God gifted to me. I am running my graphic designing firm "***HD – The Designer***" from last 5 years and have more than 100+ satisfied clients all over the world. I also participated in a Logo design competition held on a website and my design won 1st Prize worth 500 USD. I also won several other competitions over the internet. In 2008, I designed & published 1000 copies of a Monthly magazine ***"Doon Lifestyle"*** with a unique concept to give a permanent income platform to the Handicaps with help of a local based NGO. The magazine was launched by ***Yashpal Arya*** *(Indian National Congress leader and member of the Uttarakhand Legislative Assembly)* but due to lack of financial and moral support from the NGO I was associated the concept failed but soon I will again try to make that concept a success.

I have never enrolled in any type of particular course/training program for all designing and other computer related work i do mentioned above and manage all my work through my home and mainly through internet. My designing portfolio is also available in my website along with my other details.

# My Designing Experience

- 65+ Logo Designs
- 11+ Website creations
- 15+ Poster & Album covers
- 25+ Menu cards
- 15+ Corporate Identity Designs
- 50+ Creative advertisements
- 25+ Digital Wedding Albums
- 40+ Brochures & Catalogs
- 16 Page Classified Newspaper (14 Editions)
- 76 Page Multicoloured English Hindi Magazine & many others…….

I was featured in iNext Dehradun 2nd September 2013 Edition. Link to the same

http://inextepaper.jagran.com/154599/Inext-Dehradun/02.09.13#page/6/1

Link to my business Website for your consideration http://hdthedesigner.com

My Technology Blog: http://www.techwek.com, http://www.techzooo.com

Another way to conserve fuel would be to shut Veerappa Moily up after 8AM.@ShivAroor

# 'जिंदगी' साथ नहीं तो क्या हौसला तो है

PICS: I NEXT

- अपंगता का अभिशाप भी इरादों के आगे हारा
- जिंदगी की जंग में इंटरनेट को बनाया हथियार
- Online work से कमाता है घर के लिए रुपए

dehradun@inext.co.in

DEHRADUN (01 Sept) : **'कुछ लोग थे कि वक्त के सांचे में ढल गए, कुछ लोग थे कि वक्त के सांचे बदल गए.'** इंसान के हौसले किसी भी परेशानी को मात दे सकते हैं. ये परेशानी भले ही कुदरत की दी हुई क्यों न हो. ऐसे ही हौसले का नाम है इंद्रजीत डंग. बचपन में पोलियो की एक खुराक ने इंद्रजीत के शरीर को कमजोर कर दिया, इतना कमजोर कि वह अपने पैरों पर खड़ा नहीं हो पाया. हाथ से खाना नहीं खा सकते थे, लेकिन आज इंद्रजीत किसी के मोहताज नहीं हैं. अपने बूते न केवल खुद काम करते हैं, बल्कि इंटरनेट और डिजायनिंग के जरिए फैमिली की आजिविका भी चलाते हैं. इंद्रजीत का मानना है कि अपंगता को कमजोरी मानकर दूसरों पर बोझ बनने से बेहतर है कि इसे अपनी ताकत बनाएं और साबित करें कि हम किसी से कम नहीं हैं.

## पूरी बॉडी हो गई paralyzed

अजबपुर कलां एरिया के टिहरी नगर में रहने वाले इंद्रजीत डंग आज लगभग 25 साल के हैं. वे बताते हैं कि महज आठ महीने की उम्र में उन्हें बचपन में पिलाई जाने वाली दवा की गलत खुराक दे दी गई. इससे उनकी पूरी बॉडी पैरालाइज्ड हो गई. पांच साल की उम्र तक उनकी गर्दन के अलावा बॉडी का कोई पार्ट काम नहीं करता था. उन्हें देश के कई बड़े हॉस्पिटल्स में भी दिखाया गया लेकिन कोई फायदा नहीं हो पाया. इसके बाद फैमिली के कंटीन्यू एफर्ट्स और दवाओं से बॉडी का अपर पोर्शन थोड़ा काम करने लगा. फिलहाल अब भी बॉडी का ऊपरी हिस्सा 85 फीसदी काम करता है, जबकि नीचे का शरीर बिल्कुल काम नहीं करता.

## Internet पर बनाई पकड़

जैसे-जैसे उम्र बढ़ी और वक्त गुजरा तो लोगों को देखकर कई बार निराशा भी हुई, लेकिन धीरे-धीरे समझ में आया कि हिम्मत हारने से कुछ नहीं होगा. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओपन स्कूलिंग से ट्वेल्थ तक पढ़ाई की, इसके साथ ही इंटरनेट पर भी पकड़ बनाई. अब इसमें महारथ हासिल हो गई है तो ऑनलाइन काम करने लगा. इससे खर्च लायक पैसे आने लगे. साथ ही ले-आउट डिजाइनिंग पर हाथ आजमाया. ऑनलाइन ही डिजायनिंग सीखी. अब ऑनलाइन काम और डिजायनिंग से 20-25 हजार रुपए प्रति माह तक कमा लेते हैं.

**हमने मुंबई, दिल्ली, और चंडीगढ़ जैसे कई बड़े शहरों में भी इंद्रजीत के इलाज के लिए गए लेकिन कोई इंप्रूवमेंट नहीं हो पाया. हम तो हार मान चुके थे, लेकिन इसकी मेहनत और लगन और कामयाबी देखकर मन को सुकून है. शरीर से भले ही मेरा बेटा दूसरों की तुलना में कुछ कम हो लेकिन काबिलियत में वह औरों से बेटर है.**

-जसबीर कौर, इंद्रजीत की मॉम

अपनी कमजोरी को नहीं होने देते हावी.

मेरा भाई भले ही नॉर्मल लड़कों की तरह नही है, लेकिन वह दूसरो से बेस्ट है. बिना किसी कोर्स और ट्रेनिंग के जिस काम को मेरे भाई ने कर दिखाया है, वह किसी नॉर्मल इंसान के बस की बात नही है. माई ब्रदर इज स्पेशल फॉर मी एंड आई एम प्राउड ऑफ हिम.

-इकजीत कौर, इंद्रजीत की सिस्टर

वर्चुअल वर्ल्ड के मास्टर हैं इंद्रजीत.

## इन वेबसाइट्स से कमाते हैं हजारों

- www.techzooo.com
- www.techwek.com
- www.hdthedesigner

## कॉम्पिटीशंस में दिखाया दम

इंद्रजीत घर बैठे ऑनलाइन कॉम्पिटीशंस में भी पार्टिसिपेट करता रहता है. स्टार ग्रुप के ऑनलाइन कांटेस्ट असली एचडी में पार्टिसिपेट किया जिसमें वह दस फाइनल विनर में से एक रहे. इसके बाद एक विदेशी वेबसाइट की डिजाइनिंग कांटेस्ट में पार्ट लिया जिसमें देश ही नहीं बल्कि दुनिया भर के डिजाइनर्स ने हिस्सा लिया. इस कॉन्टेस्ट में लोगो डिजाइन कॉम्पिटीशन में फर्स्ट आए. साल 2012 में गवर्नमेंट ऑफ इंडिया की मिनिस्ट्री ऑफ सोशल जस्टिस इम्पॉवरमेंट डिपार्टमेंट के ऑल इंडिया लेवल के नेशनल अवॉर्ड फॉर इम्पॉवरमेंट ऑफ पर्सन विद डिस्एबिल्टी में इंद्रजीत आखिरी पड़ाव तक पहुंचे लेकिन कामयाबी हाथ नहीं लगी, लेकिन वह अब भी हार नही मान रहे. इंद्रजीत को बहरीन और दुबई से डिजाइनिंग के जॉब्स के ऑफर लगातार आ रहे हैं.

## I m dere 4 you

**कॉलेज लाइब्रेरी में ज्यादातर सब्जेक्ट की बुक्स अवेलेबल ही नहीं रहती हैं. बुक्स के लिए दूसरा ऑप्शन हो सकता है?**

-रचना तिवारी, बीएससी

**पहले कॉलेज प्रिंसिपल को कंप्लेन करें. बुक्स के लिए सिटी में तमाम ऐसे स्टॉल हैं, जहां से आप कुछ रुपए देकर बुक्स किराए पर ले सकती हैं.**

**कॉलेज में इलेक्शन की वजह न तो पढ़ाई हो पा रही है और न ही एनज्वॉय कर पा रहे हैं? समझ नहीं आ रहा है क्या करें?**

-सूरत नेगी, स्टूडेंट

**अगर आप पढ़ाई को थोड़ा कम टाइम देकर फ्रेंड्स के साथ एंज्वॉय करेंगे तो ज यादा बेस्ट है. इलेक्शन के बाद आप पूरे साल पढ़ाई कर सकते है.**

शुद्ध घी ₹ 380 प्रति किलो (1000 ग्राम)
ताजा मक्खन ₹ 320 प्रति किलो
यदि शुद्ध घी व ताजा मक्खन खाना हो तो कृपया हमारे पास एकबार अवश्य आयें
₹ 25000 नकद इनाम घी में मिलावट साबित करने पर
भारती डेरी फार्म
35/2, धामावाला मौहल्ला, धामावाला मस्जिद के सामने वाली रोड पर
फोन 0135-3292413

IndiaCan
ETEN CS Preparing Company Secretaries
JOIN INDIA'S LARGEST CS COACHING INSTITUTE
Glorious Dec'12 Passing Result: 85%
ALL INDIA RANK 17
ALL INDIA RANK 21
FOUNDATION / EXECUTIVE / PROFESSIONAL
ADMISSION OPEN
BATCH STARTING - AUG'13
PEARSON